1

दृष्टि The Vision

S22

समाजशास्त्र

टेस्ट-7

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF / OPT-24 **07SOC24**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Iqbal Ahmd.

Mobile Number: ____

Medium (English/Hindi): Hindi

Reg. Number: ____

Center & Date: 522 Mukherjee Nagar 16 Aug, 2024

UPSC Roll No. *(If allotted)*: 6421410

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं मिलेंगे।**

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

There are EIGHT questions divided in TWO SECTIONS and printed both in HINDI & ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any THREE are to be attempted choosing at least ONE from each section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

दृष्टि The Vision

Feedback

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहिः (Candidate r not write on margin)

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on this margin)

खण्ड-क / SECTION - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: **10 × 5 = 50**

Answer the following in about 150 words each: **10 × 5 = 50**

(a) भारत में जाति उन्मूलन के लिये लोहिया द्वारा प्रस्तावित समाधान पर कुछ प्रकाश डालिये।

Throw some light upon Lohia's resolution for caste annihilation in India.

आधुनिक भारत के समाजवाद के प्रबल नेता के रूप में डॉ० राम मनोहर लोहिया का योगदान अमूल्य है। लोहिया पर कार्ल मार्क्स एवं फ्रेडरिक एंजल का स्पष्ट प्रभाव भारतीय राजनीति में देखा जा सकता है।

* <u>लोहिया द्वारा जाति उन्मूलन हेतु प्रस्तावित समाधान:</u>

= स्त्री पुरुष के बीच असमानता को समाप्त करना

= जाति आधारित असमानता को समाप्त करना

= आर्थिक असमानता की समाप्ति

= कुछ देशों द्वारा दूसरे देशों पर औपनिवेशिक शासन की राजनीति जातिगत असमानता को बढ़ावा देती है

= रंग के आधार पर भेदभाव की समाप्ति होनी चाहिए।

= नागरिक असमानता की इन अवस्थाओं में सामाजिक क्रांति लायी जानी चाहिए

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

= सत्याग्रह के क्रम में हिंसा के मार्ग को त्यागकर अहिंसात्मक दृष्टिकोण का पालन किया जाना चाहिए।

= राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मानसिकता में ऊंच-नीच के बीच विभेद को समाप्त किया जाना चाहिए।

= लोहिया द्वारा दिये गये राष्ट्रीय एकता की व्याख्या।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि एक समाजवादी चिंतक के रूप में डा॰ राम मनोहर लोहिया ने जाति प्रथा के समाधान के लिए चेतनात्मकता पर जोर दिया है।

दृष्टि The Vision

(b) भारत में परिवार के पाठ्य विषयक दृष्टिकोण के बारे में विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये।

Elaborate about the textual view of family in India.

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

विविधता पूर्ण देश होने के कारण भारत में परिवारों के बीच भी विभिन्न रूपों में विविधता दिखाई देती है पर विविधता ही अनेक ऐतिहासिक दस्तावेजों के माध्यम से भारतीय सामासिक संस्कृति के पोषण हेतु साक्ष्य प्रदान करने में सहयोग देती है।

भारत में परिवारों के संबंध में पाठ्य विषयक :

1. हिंदु धर्म सम्बंधी :

= वेद, पुराण एवं विभिन्न राज परिवारों के दस्तावेज

= भारतीय संस्कृति एवं लिखी गई धाराएं

= भारतीय इतिहास के प्रमुख लेख

= डॉ. श्यामाचरण दुबे के अनुसार भारतीय परिवारों के साक्ष्यों में ऐतिहासिक विवरण अधिक प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। ये प्रमाण संयुक्त परिवार प्रणाली एवं इससे सम्बंधी मान्यता पर स्पष्ट विवरण उपलब्ध कराने में योग देते हैं।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

* मुस्लिम धर्म संबंधी :

मुस्लिम धर्म संबंधी पाठ्य दृष्टिकोण में प्रकुख:

= सल्तनत एवं मुगलकाल में लिखी गई विभिन्न पुस्तकें

= विभिन्न तारीखी किताबें एवं यात्रियों द्वारा लिखे गये संस्मरण

* बौद्ध एवं जैन :

= बौद्ध एवं जैन धर्म द्वारा विभिन्न पन्ना एवं अनेक दार्शनिकों द्वारा लिखे गये विवरण

= मौर्य शासकों के विवरण एवं जीवन को दर्शाने वाले विस्तार

= शिलालेख एवं पाण्डुलिपियां आदि।

भारत में परिवार के ऐतिहासिक साक्ष्य एवं जीवन पद्धतियों का इतिहास सिंधु घाटी सभ्यता से ही मिलता है परन्तु लिखित साक्ष्य के रूप में उपर्युक्त बिंदु बेहतर अभिज्ञान कराते हैं।

(c) भारत के समाजों का उदाहरण देकर जेंडर भूमिकाओं में क्षेत्रीय भिन्नता पर टिप्पणी कीजिये।

Comment upon regional variation in Gender Roles by giving examples of societies of India.

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

भारतीय समाज विविध रूप से अनेक सोपानों यथा जाति प्रथा, धार्मिक दृष्टिकोण, आर्थिक स्थिति, राजनीतिक वर्चस्व आदि के रूप में जेंडर सम्बंधी भूमिका को परिलक्षित करता रहा है, जिसके निम्नलिखित कारण है :—

= पितृसत्ता : पितृसत्ता ने जेंडर संबंधी भूमिकाओं को सबसे अधिक प्रभावित किया है जिसमें संयुक्त परिवार की अवधारणा एवं पुरुष वर्चस्व प्रमुख रूप से अनेक लैंगिक विभेद के माध्यम से अपनी सत्ता मजबूत करना चाहता है।

= महिलाओं की स्थिति :

वर्तमान समाज में पितृसत्ता में ह्रासमान स्थिति दिखाई देती है क्योंकि महिलाओं द्वारा शिक्षा एवं रोजगार में अधिक भाग लेने के कारण स्वयं के नीति-

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

निर्णय में गतिशीलता का अनुभव करती है।

= निर्णय लेने की स्वतंत्रता :

वर्तमान समय में बढ़ते रोजगार के अवसर, शिक्षा के आधुनिकीकरण के कारण विवाह, प्रेम, आर्थिक स्थिति आदि में आमूल चूल परिवर्तन आये हैं। जिसने जेंडर भूमिका प्रतिमान में सकारात्मक परिवर्तन किया है।

= LGBTQIA+ अधिकार :

जेंडर प्रतिमानों में LGBTQIA+ के अधिकारों को सकारात्मक रूप प्रदान किया है तथा समाज की मुख्य धारा में जोड़ने हेतु पहल की गई है।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि जेंडर भूमिकाओं ने शहरी एवं ग्रामीण अधिकारों तथा क्षेत्रीय दृष्टिकोण पर मीडिया, सामाजिक जागरूकता एवं तकनीक ने भी स्पष्ट सकारात्मक प्रभाव प्रस्तुत किया है।

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

(d) जनजातियाँ एक सामाजिक समूह या सुपरिभाषित समुदाय मात्र हैं। टिप्पणी कीजिये।

Tribes are just a social group or well defined community. Comment.

भारतीय परिप्रेक्ष्य में जनजातियां सामाजिक समूह एवं सुपरिभाषित समुदाय से कहीं अधिक रूप में विभिन्न सामाजिक समूहों के साथ संलग्नता एवं सामासिक संस्कृति को प्रतिरक्षित करने में योग देती हैं।

= मूल निवास के रूप में जनजातियां:

मूल निवास की जनजातीय अवधारणा में ये अपनी सांस्कृतिक जड़ों से प्राथमिक रूप से जुड़ाव महसूस करती हैं तथा सीमित संचरण द्वारा अन्य संस्कृति को स्वयं के ऊपर लागू करती हैं।

= संस्कृति के प्रति निकटता:

प्रकृति एवं सांस्कृतिक निकटता के कारण जनजातियां जल, जंगल, जमीन की रक्षा करती हैं तथा प्राकृतिक जीवन एवं वातावरण पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

= संयुक्त परिवार एवं कानून :

भारतीय जनजातियों में अधिकांश रूप से जनजातियां संयुक्त परिवार की अवधारणा पर यकीन करती हैं एवं अपने प्रथागत कानूनों का कड़ाई से पालन करती हैं।

विवाह एवं समाजीकरण :

अधिकांश जनजातियों के विवाह एवं समाजीकरण के स्वयं के मानक हैं जिनका कड़ाई से पालन किया जाना जनजातीय समाज में अनिवार्य होता है।

उपर्युक्त के आधार पर कहा जा सकता है कि भारतीय जनजातियां पारिस्थितिक सामाजिक समुदाय से कहीं अधिक रूप में योगदान देती हैं।

(e) भारतीय श्रमिक वर्ग की सामाजिक पृष्ठभूमि पर टिप्पणी कीजिये।

Comment upon the social background of the Indian working class.

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

भारत के संदर्भ मे वर्ग की अवधारणा जाति प्रथा की परंपरागत भूमिका पर टिकी हुई है जहां पर वर्ग विशेष के एक संस्करण के रूप में श्रमिकों को निम्नलिखित रूप मे शामिल किया जा सकता है।

= परम्परागत / कृषि श्रमिक:

ग्रामीण पृष्ठभूमि के रूप मे श्रमिक वर्ग अल्पशिक्षित एवं समाज के वंचित तबके के रूप में शामिल होता है जहां पर उनके कौशल ज्ञान न होने के कारण अधिकर शारीरिक श्रम करके अपने व अपने परिवार की मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति करनी पड़ती है।

= शहरीकरण एवं श्रमिक वर्ग के बदलते प्रतिमान:

बढ़ते औद्योगीकरण एवं शहरीकरण ने श्रमिक

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

वर्ग को अनेक रूपों में प्रभावित किया है—

① कौशल में वृद्धि

② जागरूकता

② सीखने के नये प्रतिमान

③ श्रमिक वर्ग का अंतर्राष्ट्रीय करण

④ लैंगिक रूप से सक्षम एवं प्रतिबंधों में शिथिलता

⑤ बेहतर तकनीक जानकारी सीखने हेतु प्रतिबद्धता

* चुनौतियां :

हालांकि कुछ चुनौतियां भी दृष्टिगोचर होती हैं—

= मनरेगा मजदूरी में रोजगार दिवसों की कम संख्या एवं कम मजदूरी

= भ्रष्टाचार का शामिल होना

= मोल-भाव की सीमित स्थिति

= शोषण

= घोस्ट कामगार आदि।

श्रमिक वर्ग की उपर्युक्त सभी समस्याओं पर वर्तमान समय में ध्यान देकर मुख्य धारा में शामिल किये जाने की आवश्यकता है।

दृष्टि The Vision

2. (a) घुर्ये द्वारा वर्णित जाति व्यवस्था की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा कीजिये। 20

Discuss the major characteristics of the Caste System as described by Ghurye. 20

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

भारतीय समाजशास्त्र के जनक के रूप में गोविंद सदाशिव घुर्ये प्रमुख रूप से जातिगत सोपानों एवं सामाजिक विभेदों को उजागर करने में योग देते हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति, वेदों की भूमिका, भारतीय धार्मिकता, साधु एवं सामान्य जीवन के बारे में विस्तार पूर्वक लिखा है, जो भारतीय जाति व्यवस्था के संरचना के लिए एवं उसको समझने हेतु मार्ग उपलब्ध कराते हैं।

घुर्ये भारतीय समाज के जाति संरचना में ऐतिहासिक रूप से निम्नलिखित दृष्टिकोण प्रदर्शित करते हैं—

= समाज का खण्डात्मक विभाजन: घुर्ये समाज के वैदिक कालीन नियम के अनुसार तीन प्रमुख जातियों का उपयोग करते हुए ब्राह्मण, क्षत्रिय एवं वैश्यों को प्रभु जाति की संज्ञा देते हैं। एवं जाति संरचना के निचले क्रम में अनुसूचित जाति को मानते हैं।

= पेशे के अधिक्रम का सिद्धांत: घुर्ये जाति प्रथा में

पेशागत दक्षता को स्वीकार करते हैं। अपनाये गये पेशे के आधार पर जाति एवं उपजाति की अवधारणा भारतीय संस्कृति के मूल स्तम्भ हैं।

= धार्मिक एवं नागरिक निर्योग्यताएं :

पूर्व धार्मिक जीवन के प्रति जाति संरक्षण प्रस्तुत करते हैं कि कैसे वैदिक कालीन व्यवस्था सामाजिक संरक्षण एवं ऐतिहासिक अनुत्मता को प्रार्थित करने की दिशा में परिणत हुई है।

= भोजन तथा सामाजिक सहवास :

भोजन तथा सामाजिक सहवास ने जाति अधिक्रम की संरचना में वृहद रूप में बदलाव प्रस्तुत किया है। यह बदलाव जहां प्राचीन काल के समय विभिन्न संरक्षण के अधिक्रम में सीमित था परन्तु जैसे-जैसे आधुनिकता बढ़ रही है। इसमें भिन्नता देखने को मिल रही है।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

= विवाह सम्बंधी प्रतिबंध:

जाति व्यवस्था के प्रमुख चरण में ड्युमें विवाह संबंधी व्यवस्था को प्रमुख मानते हैं। ड्युमें कहते हैं कि जाति संरचना में विवाह की यह अवधारणा हिंदू धर्म के आठ विवाहों में प्रथम चार विवाहों के रूपों से परिवर्तन पाया है। यह संरचना विभेदात्मक जातिगत सोपानों में जाति, उपजाति एवं प्रमुख जाति के साथ ही 'गोत्र' के रूप में प्रमुख कारक रहा है। जहां पर गोत्र ने जाति प्रणाली को पूर्ण रूप से परिवर्तित कर दिया है।

= ड्युमें अपनी पुस्तक "कल्चर एवं सोसाइटी" में जाति प्रथा संरचना के औपनिवेशिक एवं राजनीतिक व्यवस्था की अनुक्रमणशीलता पर भी लिखते हैं कि अनेक यूरोपीय शासकों एवं उनके कानूनों के प्रभाव ने भी भारतीय जाति संरचना में बदलाव प्रस्तुत किया है।

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

इस प्रकार कहा जा सकता है कि पूर्व की जाति प्रथा की अवधारणा में व्यवसायिक विभाजन के साथ-ही वैदिक कालीन व्यवस्था से आधुनिक काल तक में जाति संरचना के परिवर्तन परिलक्षित होते हैं।

दृष्टि The Vision

(b) भारतीय जनजातियों पर सांस्कृतिक संपर्क के प्रभाव को रेखांकित कीजिये। 20

Trace the impact of cultural contact on the Indian Tribes. 20

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on this margin)

मूल निवासी के रूप में भारतीय समाज में जनजातियां भी विभिन्न सामाजिक संस्तरण में उपस्थित हैं। जनजातियां एक ही क्षेत्र में उपस्थित न होकर भारत के भौगोलिक रूप से विभिन्न प्रदेशों की सीमाओं को स्पर्श करती हैं।

सांस्कृतिक परिदृश्य भारतीय जनजातियों को अन्य ~~अन्य~~ भारतीय जातियों से जहां अलग करता है वहीं इन जनजातियों में से अधिकांश जनजातियों ने आधुनिक भारतीय जातियों के रीति रिवाज, प्रथाओं आदि को ग्रहण कर लिया है जिसे एम० एन० श्री निवास प्रसंस्कृतिग्रहण (Sanskritization) की अवधारणा के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

* विवाह पर प्रभाव :

अधिकांश जनजातियों ने जहां हिंदू विवाह की धार्मिक अवधारणा को आत्मसात करना आरंभ किया है वहीं हिंदू वैदिक एवं पुरोहित वाद की अवधारणा भी स्वीकार करते हैं।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

= भारतीय जनजातियां पिछड़े हिंदू हैं:

घुर्ये भारतीय जनजातियों को पिछड़े हिंदू के रूप में संबोधित करते हैं। वे कहते हैं कि भारतीय जनजाति में शिक्षा अभाव एवं बाहरी धर्मों के प्रभाव ने इनको मुख्य धारा से दूर कर दिया है।

= परिवार का प्रभाव:

भारतीय जनजातियों पर पारिवारिक दृष्टिकोण का प्रभाव अनेक रूपों में देखा जा सकता है जिसमें उन्होंने हिंदू परिवार की भूमिका एवं संयुक्त परिवार की अवधारणा को प्रमुख रूप में अपनाया हुआ है। हालांकि यह अवधारणा जनजातियों में अति प्राचीन रूप में दिखाई देती है।

= खान पान एवं सहवास का सामाजिक संरचना पर प्रभाव:

भारतीय जनजातियों के खान-पान एवं सामाजिक सहवास में जहां सीमित दृष्टिकोण परिलक्षित करते हैं वहीं

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

विभिन्न जनजातियों की भौगोलिक स्थिति भी प्रमुख रूप से निर्धारक है।

= प्राथमिक सम्बंधों की प्रधानता:

भारतीय जनजातियों में प्राथमिक संबंधों की प्रधानता में आपसी सम्बंधों की निकटता एवं स्वयं के कारणों की बाध्यता को मानने के कारण से सांस्कृतिक प्रभाव को तीव्र रूप से प्रकट किया है।

= भौगोलिक स्थिति:

भारतीय जनजातियों में भौगोलिक स्थिति ने स्पष्ट रूप से छाप छोड़ी है। हिंदी भाषी क्षेत्रों खासकर मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में मीणा, गोंड, भील आदि जनजातियों ने भारतीय जाति व्यवस्था के अधिक्रम एवं संस्कृति को स्वाभाविक रूप से अधिकांश जनजातियों से ज्यादा ही अपनाया है। वे विभिन्न जातिगत सोपानों के अधिक्रम को भी स्वीकार करते हैं।

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

इस प्रकार कहा जा सकता है कि भारतीय जनजातियों ने सामाजिक अधिक्रम में सांस्कृतिक विशेषता को स्पष्ट रूप से प्रभावित करते हुए सांस्कृतिक बदलाव प्रस्तुत किया है। शिक्षा एवं बढ़ते आधुनिकीकरण के कारण यह बदलाव 'परसंस्कृतिग्रहण' की भूमिका में अधिक योग देते हैं।

दृष्टि The Vision

(c) भारत में घरेलू परिवारों की सामाजिक-आर्थिक गतिशीलता पर टिप्पणी कीजिये। 10

Comment upon the socio-economic dynamics of household families in India. 10

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

भारतीय समाज में धार्मिक एवं पारिवारिक बहुलता के तत्वों का समावेशन विभिन्न रूपों में दिखाई देता है। ये समावेशन परिवार की आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक गतिशीलता को ~~भी~~ प्रभावित करने में योग देता है।

* सामाजिक आर्थिक गतिशीलता के प्रमुख कारक:

= जाति अनुक्रम: जाति प्रथा के सामाजिक सोपान एवं अधिविन्यास ये मानक तय करते हैं कि उनकी आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण किस प्रकार विभिन्न रूपों में अपना प्रभाव एवं छाप छोड़ती है।
जैसे ब्राह्मणों का पेशागत कार्य आदि।

= पितृसत्ता: सामाजिक आर्थिक अधिक्रम में पितृसत्ता प्रमुख रूप से ~~जाति अ~~ लैंगिक रूपों विशेषकर महिलाओं की स्थिति को निम्न करती है जहां पर आर्थिक रूप से

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

सत्ता पुरुषों के हाथों में होती है एवं महिलाओं की भूमिका को निम्न स्थान दिया जाता है।

= वर्ग संरचना :

सामाजिक-आर्थिक प्रतिमानों में विभिन्न आधुनिक बदलावों जैसे आधुनिकीकरण, शहरीकरण आदि आने की वजह से वर्ग प्रभाव देखने को मिल रहा है जो बदलाव के बड़े कारण के रूप में दिखाई देता है।

उपर्युक्त के संबंध में कहा जा सकता है कि जातिगत सोपानों एवं धार्मिक तथा वर्गीय संकल्पना ने भारतीय सामाजिक आर्थिक जीवन के अधिकतम में बदलने हेतु प्रमुख कारक रहे हैं।

3. (a) अस्पृश्यता एक ऐसी बुराई है जिसने लंबे समय से देश के विकास को बाधित किया है। समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य का संदर्भ देते हुए विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। 20

Untouchability is an evil which has hampered development of the country for a long time. Elaborate citing sociological perspective. 20

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहि (Candidate must not write on margin)

भारतीय समाज में सामाजिक संस्तरण की प्रबलता के रूप में विभिन्न जातिगत संस्तरण जहां धार्मिक रूप से मौजूद है वहीं व्यावहारिक रूप से भी जातिगत संस्तरण प्रमुख रूप में उपस्थित है। इन संस्तरणों ने ऐतिहासिक रूप से अस्पृश्यता की अवधारणा में योग दिया है, जो कि वर्तमान समय में भी भारत में सीमित रूपों में दिखाई देती है।

अस्पृश्यता को विकासगत बाधा होने का प्रमुख प्रतिमान

- ऐतिहासिक रूप में:
- जातिप्रथा:
- धार्मिकता:

① ऐतिहासिक रूप में अस्पृश्यता:

अपने ऐतिहासिक समय से ही भारत में अस्पृश्यता को मानक उपस्थित रहा है जिसकी जड़ें वैदिक काल से

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

एवं वर्णात्मक व्याख्या के रूप में मिलती है जहां ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र को जाति आधिकृत के रूप में न स्वीकार कर वर्ण प्रतिविन्यास एवं कार्यात्मक स्तरण के रूप में माना जाता रहा है। इसे वर्णाश्रम व्यवस्था के रूप में स्वीकार किया गया एवं शूद्र जाति को समाज के निचले क्रम एवं अस्पृश्य रूप में शामिल किया गया।

② **जाति प्रथा:** जाति प्रथा पूर्व में अपनायी गई वर्ण व्यवस्था का ही एक परिस्कृत रूप के लक्ष्य के रूप में उभरी जहां पर कार्यों को प्रमुखतः जिसे समाज में अच्छा समझा गया उसे उच्च जातियों एवं जिस कार्य को शारीरिक श्रम समझा गया उसे अन्य जातियों को दिया गया जिसके कारण अस्पृश्यता का जन्म हुआ।

उदाहरण के लिए: शिक्षा, रक्षा, व्यापार हेतु ब्राह्मण, क्षत्रिय एवं वैश्य जबकि सफाई आदि कार्यों हेतु शूद्र या अनुसूचित जातियों के बीच कार्यों का विभाजन।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

③ औपनिवेशिक काल :

औपनिवेशिक काल में अंग्रेजी नीतियों ने अस्पृश्यता में योग किया जिसमें दुआइत, आरक्षण, फूट डालो एवं राज करो की नीतियां स्पष्ट रूप से उत्तरदायी रही हैं। इन नीतियों का विरोध कालांतर में महात्मा गांधी एवं डाक्टर भीमराव अम्बेडकर द्वारा प्रबल रूप से किया गया।

* अस्पृश्यता समाप्ति हेतु विभिन्न कानून एवं दृष्टिकोण :

= भारतीय संविधान :

स्वतंत्रता के बाद से भारत में अस्पृश्यता समाप्ति हेतु अनेक कानूनों का निर्माण किया गया है साथ ही अस्पृश्यता से निपटने हेतु भारतीय संविधान के मूल अधिकार में अनुच्छेद-17 को शामिल करके समानता हेतु मौलिक अधिकार प्रदान किया गया है।

= अस्पृश्यता निषेध अधिनियम : लागू किया गया है।

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

आरक्षण : अनुसूचित जनजातियों एवं अनुसूचित जातियों हेतु आरक्षण के प्रावधान भी लागू किये गये हैं जिससे कि उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने हेतु सहायता दी जा सके।

उपर्युक्त कारणों के ऐतिहासिक संबंधों की स्थिति के क्रम में देखने पर पता चलता है कि अस्पृश्यता निवारण हेतु अनेक सामाजिक भूमिकाएं रही हैं जिसके निवारण हेतु महात्मा गांधी, फूले, पेरियार, अम्बेडकर आदि लोगों का विशेष योगदान रहा है।

दृष्टि The Vision

(b) औपनिवेशिक नीतियों ने जनजातियों को पहले से कहीं अधिक पृथक कर दिया है। टिप्पणी कीजिये। 20

Colonial policies segregated tribals more than ever. Comment. 20

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

भारत में जनजातियों की स्थिति पहले से ही दयनीय नहीं रही है बल्कि यह स्थिति अनेक औपनिवेशिक कारणों आदि के आने की वजह से हुई है।

रामचन्द्र गुहा लिखते हैं कि भारतीय जनजाति अपना कलात्मक एवं परम्परागत भूमिका में सदैव से पीछे नहीं रही है बल्कि उनकी सांस्कृतिक वैभव उच्च मानक के रूप में शामिल रहे हैं।

* औपनिवेशिक नीति एवं जनजातियों की स्थिति :

= भौगोलिक कारक :

अधिकांश ~~औपनिवेशी~~ औपनिवेशी कानूनों ने जनजातियों को उनकी मूल निवास से बेदखल करने हेतु कानून बनाए तथा उनके आवास जंगल, जंगल, जमीन पर कब्जा तथा अतिक्रमण किया।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

= बेदखली एवं संघर्ष:

औपनिवेशिकों द्वारा जल, जंगल, जमीन से बेदखल किये जाने पर जनजातियों द्वारा संघर्ष किया गया तथा अपनी जमीन पर बाहरी लोगों को बसने देने एवं उनकी खान-पान, संस्कृति आदि पर प्रतिकूल प्रभाव दृष्टिगोचर हुए जिसके कारण संघर्ष और बढ़ा।

= जनजातियां जन्म से अपराधी:

जनजातियों को प्रजातिक दृष्टि से देखने एवं उन्हें जन्म से ही अपराधी मानने की औपनिवेशी मानसिकता ने उन्हें समाज से विलग कर दिया. यह विलगाव की स्थिति ने अनेक रूपों में जनजातियों के सामाजिक प्रतिमानिक स्थिति को नकारात्मकता पैदा की।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

परिवार एवं संस्कृति पर अतिक्रमण :

अंग्रेजी कानून ने जनजातियों के परिवार एवं संस्कृति पर विभिन्न कानूनों के माध्यम से अतिक्रमण किया जिसके कारण अनेक जनजातियों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन हुए।

= औपनिवेशी मानसिकता जनजातियों के सामाजिक व्यवहार एवं उनकी आर्थिक गतिविधियों को भी अनेक रूपों में परिवर्तित करने हेतु उत्तरदायी रही है। जिसके कारण जनजातियों में औपनिवेशी शासन के प्रति संघर्ष देखा गया।

= ये संघर्ष प्रमुख रूप से भूमि एवं अपनी पहचान के संकट को प्रदर्शित करता है।

= जनजातियों को ऐसी जगह बसाया गया जहां पर वे अन्य भारतीय जातियों से अलगाव महसूस करते हों।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on the margin).

- जनजातियों की शिक्षा एवं अन्य सामाजिक, राजनीतिक उत्थान के लिए अंग्रेजी औपनिवेशकों द्वारा ~~सीमी~~ सीमित कदम उठाए गये।

उपर्युक्त के आधार पर कहा जा सकता है कि औपनिवेशकों द्वारा जनजातियों के कल्याण हेतु अनेक कानून जो कि नकारात्मक रूप से लागू किये गये वर्तमान में भी जनजातियों को पीछे करने में दिखाई देते हैं। हलांकि भारत सरकार उन्हें समान भूमिका दिलाने में प्रयासरत है।

(c) जाति व्यवस्था पर लुई ड्यूमॉन्ट के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिये। 10

Throw some light upon Louis Dumont's perspective on the caste system. 10

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

जाति संस्तरण में लुई ड्यूमा के विषय भारतीय एवं पाश्चात्य संस्तरण की मिलती जुलती अवधारणा एवं तुलनात्मक अध्ययन के रूप में जाने जाते हैं।

* जाति व्यवस्था पर लुई ड्यूमां के दृष्टिकोण:

= लुई ड्यूमां अपनी प्रसिद्ध कृति होमो हाइरार्कि में लिखते हैं कि भारती जातिगत संस्तरण यूरोपीय संस्तरण से भिन्न है क्योंकि भारत में जाति संस्तरण में हाइरार्कि मिलती है जबकि यूरोपीय संस्कृति में होमो इक्वालिस की अवधारणा दिखाई देती है।

= यह संस्तरण भारतीय जाति में पद सोपानिक व्यवस्था को प्रस्तुत करता है जबकि यूरोपीय समाज में वर्ग रूपी व्यवस्था का वर्चस्व होता है।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

= लुई ड्यूमां ने रामपुरा गांव का अध्ययन करके बताया कि ग्रामीण स्थिति में जाति प्रथा विस्तृत रूप में मौजूद है जिसमें ब्राह्मणों का वर्चस्व अधिक उभार के रूप में दिखाई देता है।

= जाति व्यवस्था के संस्तरण में हलांकि कुछ बदलाव दिखाई देते हैं परन्तु ये बदलाव इतनी न्यून हैं कि इसमें परिवर्तन होने में अधिक समय लगेगा।

निष्कर्षत: कहा जा सकता है कि लुई ड्यूमा की यह अवधारणा पूर्ण रूप से सही नहीं है वर्तमान समय में भारतीय जाति में बदलाव शिक्षा, आर्थिक, राजनीति घटकों के रूप में समाज में दिखाई देने लगे हैं।

4. (a) भारत में कृषक समाजों की वर्ग संकल्पना के विश्लेषण पर चर्चा कीजिये। 20

Discuss the class analysis of agrarian societies in India. 20

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए
(Candidate must not write on margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहिः
(Candidate r
not write on
margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

(b) समकालीन विश्व में सामाजिक वर्ग की अवधारणा पर टिप्पणी कीजिये। 20

Comment upon the concept of social class in the contemporary world. 20

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

दृष्टि The Vision

(c) भारत में मध्य वर्ग के विकास के बारे में विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। 10

Elaborate about the evolution of middle class in India. 10

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

दृष्टि The Vision

खण्ड-ख / SECTION - B

उम्मीदवार को हाशिये में नह लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each: 10 × 5 = 50

(a) पितृसत्ता पर उमा चक्रवर्ती के विचारों पर प्रकाश डालिये।

Throw some light on Uma Chakravarti views on Patriarchy.

भारतीय संदर्भ में पितृ सत्ता ने अनेक रूपों में समाज पर प्रभाव डाला है। पितृ सत्ता पर उमा चक्रवर्ती का ध्यान ऐतिहासिक दृष्टिकोण से लेकर वर्तमान सामाजिक सम्बंधों में पितृसत्ता एवं वर्चस्व की नीतियों की स्थिति के स्पष्ट विभाजन के विषय पर परिलक्षित है।

* पारिवारिक प्रभाव: उमा चक्रवर्ती पितृ सत्ता में संयुक्त परिवार की संलग्नता के दृष्टिकोण को प्रमुख रूप से उत्तरदायी मानती हैं जहां पर लैंगिक भूमिका के रूप में पितृ सत्ता नकारात्मक रूप से प्रभाव डालती है।

= शिक्षा एवं जागरूकता: शिक्षा एवं जागरूकता ने

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

पितृसत्ता को कमजोर किया है परन्तु औपनिवेशिक का यह अतिक्रमण अभी भी प्रभावित कर रहा है।

= राजनीतिक अवस्था: राजनीतिक असमानता ने पितृसत्ता को मजबूत किया है इसलिए महिलाओं को राजनीतिक आवाज का लाभ दिया जाना चाहिए।

= मीडिया: उमा चक्रवर्ती के अनुसार मीडिया पितृसत्ता के ह्रास हेतु सकारात्मक कार्य कर सकता है, परन्तु विडम्बना है कि मीडिया ने स्वयं पितृसत्ता देखी जा रही है।

इस प्रकार उमा चक्रवर्ती लैंगिक असमानता के अन्य प्रतिमानों जैसे LGBTQIA+ के अधिकारों के उत्थान की भी बात करती हैं। पितृसत्ता पर उनका दृष्टिकोण सामाजिक औपनिवेशिक के विश्लेषण के प्रमुख कारकों में से एक है।

दृष्टि
The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

(b) "अस्पृश्यता ने भारतीयों को संपूर्ण विश्व में अस्पृश्य बना दिया है।" टिप्पणी कीजिये।

"Untouchability has made Indians untouchable in the whole world". Comment.

बदलते सामाजिक परिदृश्य में शिक्षा, कौशल एवं तकनीकी ज्ञान ने जहां प्रत्येक भारतीय को जागरुक किया, वहीं पर ऐतिहासिक रूप से धर्म, जाति भेद तथा प्रमुख रूप से अस्पृश्यता जैसे घृणित कारकों ने भारत की छवि को विश्व पटल पर क्षति पहुंचाई है।

= अस्पृश्यता की अवधारणा में समाज की सबसे घृणित इकाई का बोध होता है। "महात्मा गांधी के अनुसार ईश्वर द्वारा सभी मनुष्य को एक समान बनाया गया है, छुआ-छूत की अवधारणा हमें मानव से पृथक कर पाशविक रूप प्रदान करती है। इसे समाप्त करना प्रत्येक भारतीय नागरिक की जिम्मेदारी होनी चाहिए।

= भारतीय समाज में अस्पृश्यता की प्राचीन अवधारणा में बदलते सामाजिक गतिशीलता में निम्नलिखित बदलाव आये हैं —

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

① अस्पृश्यता को अब कानूनों के माध्यम से अपराध्य बना दिया गया है।

② अस्पृश्यता समाप्ति हेतु जन जागरूकता एवं मीडिया तथा सोशल मीडिया का योगदान।

③ समानता के अधिकार के रूप में अस्पृश्यता का उन्मूलन।

④ तकनीकी कौशल से जोड़ने हेतु विभिन्न कार्यक्रम

⑤ समाज के वंचित वर्गों एवं अस्पृश्य माने जाने वाले लोगों के सामाजिक उत्थान हेतु आरक्षण की व्यवस्था आदि प्रमुख हैं।

जागरूकता एवं विभिन्न भारतीय कानूनों द्वारा वर्तमान समय में अस्पृश्यता की अवधारणा को समाप्त करने हेतु प्रयास किया जा रहा है।

दृष्टि The Vision

(c) जाति व्यवस्था पर आंद्रे बेतेले के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिये।

Throw some light upon Andre Beteille's perspective on caste system.

उम्मीदवार को हाशिये में नह लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

(d) PVTG मिशन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Write a short note on PVTG Mission.

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

दृष्टि The Vision

(e) उत्तर भारत में नातेदारी की विशिष्ट विशेषताओं की गणना कीजिये।

Enumerate about distinctive features of kinship in North India.

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

भारत को बहुभाषी एवं विभिन्न संस्कृतियों को शामिल एवं समाहित करने वाले देश के रूप में विविधता प्रदर्शित करता है यह विविधता नातेदारी संदर्भों में भी देखी जा सकती है हालांकि नातेदारी संबंध भौगोलिक रूप में भी भारतीय समाज के अधिकार को प्रभावित करते हैं।

उत्तर भारतीय नातेदारी विशेषता :

- उत्तर भारत में नातेदारी संबंध मुख्यतः दो रूपों जन्म या गोद के आधार पर तथा विवाह संबंधों के आधार पर मानी जाती है।
- हास परिहास संबंध: उत्तर भारतीय नातेदारी में हास परिहास संबंधों की प्रधानता एवं निषेधता का स्पष्ट विभाजन पाया जाता है।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

पितृसत्ता :

उत्तर भारतीय नातेदारी में पितृसत्ता का वर्चस्व पाया जाता है जिसमें पुरुष प्रधान समाज होने के कारण लैंगिक विभेद जैसे नकारात्मक प्रतिमान स्थापित होते हैं।

वैवाहिक सम्बंध:

उत्तर भारतीय नातेदारी में वैवाहिक सम्बंधों की विविधता सभी धार्मिक समूहों में एक समान भूमिका को प्रदर्शित करती है, अर्थात हिंदू धार्मिक रीति-रिवाजों से अन्य धार्मिक समूह भी प्रभावित हो रहे हैं।

संक्षेप में कहा जा सकता है कि उत्तर भारतीय नातेदारी व्यवस्था में विस्तृत बदलाव देखने को मिल रहे हैं परन्तु अभी भी संयुक्त परिवार एवं पितृसत्ता हावी है।

दृष्टि The Vision

6. (a) भारत में जाति व्यवस्था की उत्पत्ति पर डॉ. बी.आर. अंबेडकर के दृष्टिकोण के बारे में चर्चा कीजिये। 20

Discuss about Dr. B.R. Ambedkar's perspective on the origin of caste system in India. 20

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

भारत में जाति व्यवस्था की उत्पत्ति पर डा० बी० आर० अंबेडकर द्वारा हिंदू सांस्कृतिक संदर्भों विशेषतः वेदों की रचना के संदर्भ में प्रमुख रूप से अपने दृष्टिकोण का प्रतिपादन किया जाता है।

अम्बेडकर अपनी पुस्तक एनीहिलेशन आफ कास्ट के माध्यम से जाति प्रथा की सोपानिक स्थिति के क्रम में प्रकाश डालते हैं —

* आर्थिक अधिक्रम के रूप में जाति:

अम्बेडकर वैदिक कार्मिक संस्कृति के जाति अधिक्रम को आर्थिक क्रिया के माध्यम से जोड़कर देखते हैं; कि कैसे आर्थिक विन्यास ने जाति क्रम एवं कार्यों के बंटवारे में जातिगत व्यवस्था को प्रभावित किया।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

* छुआ-छूत की अवधारणा:

अम्बेडकर जाति अधिक्रम में छुआ-छूत एवं अस्पृश्यता की अवधारणा को हिंदू जाति अधिक्रम के एक तत्व के रूप में स्वीकार करते हैं।

* प्रधानात कानून :

अम्बेडकर प्रधानात कानूनों के द्वारा वंचित वर्गों को शिक्षा, कौशल आदि में शामिल न करने के कारण पिछड़ जाने एवं निम्न जाति उद्भव योग की संकल्पना को ~~भी~~ एक कारक के रूप में मानते हैं।

* सामाजिक कुरीतियां एवं जातिगत उद्भव:

= विधवा स्त्री के पुनर्विवाह से रोक

= सती प्रथा जैसी जघन्य परम्पराएं

= ब्रह्मचर्य लागू करना।

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

= विवाह की निर्धारित आयु में कमी आदि जैसे कारक एवं सामाजिक कुरीतियां की जातिगत उद्भव में योग देती रही हैं।

* जाति की जन्म से निर्धारिता;

डॉ० अम्बेडकर के अनुसार जाति की जन्म से अवधारणा ने सामाजिक संबंधों में जातिगत संरचना में भिन्नता पैदा करने में महत्वपूर्ण योग दिया है।

उपर्युक्त सभी कारणों के आधार पर कहा जा सकता है कि डॉ० अम्बेडकर जाति प्रथा के उद्भव को परम्परागत हिंदू कानूनों के वर्चस्व का स्पष्ट कारण मानते हैं।

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

दृष्टि The Vision

(b) भारत में जनजातीय समुदायों से संबंधित परिभाषात्मक समस्याओं की व्याख्या कीजिये। 20

Explain the definitional problems concerning the tribal communities in India. 20

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नह
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नह
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

दृष्टि The Vision

(c) पुराने मध्य वर्ग और नये मध्यम वर्ग पर टिप्पणी कीजिये। 10

Comment upon the old middle class and new middle class. 10

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

7. (a) भारत में श्रमिक वर्ग के विकास पर प्रकाश डालिये। वे किस प्रकार संगठित और स्थिर हुए इसका भी उल्लेख कीजिये। 20

Highlight the growth of the working class in India. Also mention how they were consolidated and got stabilized. 20

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहिए (Candidate r not write on margin)

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

दृष्टि The Vision

(b) भारत के मध्यवर्गीय समाज में विवाह संस्था तथा महिलाओं की स्थिति से संबंधित मूल्यों पर टिप्पणी कीजिये। 20

Comment upon values related to the institution of Marriage and the status of women in middle class society of India. 20

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नह
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

(c) भारत में शहरी वर्ग संरचना पर टिप्पणी कीजिये। 10

Comment upon urban class structure in India. 10

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

8 (a) स्वतंत्र भारत में कृषि अर्थव्यवस्था की सामाजिक संरचना में परिवर्तन के लिये उत्तरदायी कारकों की गणना कीजिये। 20

Enumerate the factors that are responsible for the change in social structure of the agrarian economy in post independent India. 20

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहिः (Candidate r not write on margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहिः
(Candidate r
not write on
margin)

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहि
(Candidate r not write on margin)

दृष्टि The Vision

(b) भारत में संयुक्त परिवार अभी भी महत्त्वपूर्ण हैं लेकिन बदलते चलन के साथ वे विघटित भी हो रहे हैं। उन कारकों पर चर्चा कीजिये जिनके कारण भारत में संयुक्त परिवारों की संरचना में परिवर्तन आया। 20

Joint families are still significant in India but with changing trends, they are also disintegrating. Discuss factors that led to a change in the structure of joint families in India. 20

उम्मीदवार को हाशिये में नह लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

(c) भारतीय समाज में कार्य के लैंगिक विभाजन पर टिप्पणी कीजिये। 10

Comment upon sexual division of work in Indian society. 10

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहि (Candidate r not write on margin)

उम्मीदवार को
हाशिये में नहं
लिखना चाहि
(Candidate r
not write on
margin)

उम्मीदवार को हाशिये में नहं लिखना चाहि
(Candidate r not write on margin)

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)